प्रेस विज्ञप्ति

11 मार्च, 2021

त्रशियांगत्से, भूटान में 600 एमडबल्यू हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना हेतु केएचईएल को ₹4058 करोड़ (प्लस 20% स्टैंडबाय सुविधा) की वित्तीय सहायता

पीएफ़सी ने आरईसी के साथ मिलकर त्रशियांगत्से, भूटान में 600 एमडबल्यू हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना हेतु ₹4058 करोड़ सावधि ऋण के विस्तार के लिए खोलोंगछू हाइड्रो एनर्जी लिमिटेड (केएचईएल) के साथ सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। परियोजना को 70:30 के ऋण-इक्विटी अनुपात में वित्त पोषित करने का प्रस्ताव है और ₹4058 करोड़ के सावधि ऋण को पीएफसी और आरईसी द्वारा समान अनुपात में साझा किया जाएगा। पीएफसी और आरईसी के अलावा, बैंक ऑफ भूटान (₹200 करोड़) और एनपीपीएफ, भूटान (₹200 करोड़) से ₹400 करोड़ की व्यवस्था करने का प्रस्ताव है।

केएचईएल, एसजेवीएन लिमिटेड की एक संयुक्त उद्यम कंपनी और ड्रक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) (भूटान की एक रॉयल सरकार का उपक्रम) परियोजना को क्रियान्वित कर रही है। यह भूटान में संयुक्त उद्यम (जेवी) मॉडल में क्रियान्वित की जा रही पहली परियोजना है। इस परियोजना के वित्त वर्ष 2025-26 में चालू होने की उम्मीद है और इससे लगभग 2569 मिलियन यूनिट ऊर्जा उत्पन्न होगी जो भारत और भूटान की भविष्य की विद्युत आवश्यकता को पूरा करेगी।

श्री आर.एस.ढिल्लों, सीएमडी, पीएफ़सी, श्री संजय मल्होत्रा, सीएमडी, आरईसी, श्री एन.एल.शर्मा, सीएमडी, एसजेवीएनएल एवं दाशो येशी वांगड़ी, चेयरमैन, केएचईएल की उपस्थिती में इस सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ श्री पी.के.सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) एवं निदेशक (परियोजना)-अतिरिक्त प्रभार, पीएफ़सी, श्रीमती प्रमिन्द्र चोपड़ा, निदेशक (वित्त), पीएफ़सी, श्री जी.एस.पात्र, कार्यपालक निदेशक, पीएफ़सी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) मोड के माध्यम से उपस्थित थे।

जलविद्युत क्षेत्र भारत-भूटान द्विपक्षीय सहयोग का प्रमुख क्षेत्र है और पीएफसी द्वारा इस आगामी जलविद्युत परियोजना का वित्त पोषण भारत और भूटान के बीच संबंधों को मजबूत करने में फायदेमंद होगा।

हस्ता/-

(एस एस राव)

वरिष्ठ महाप्रबंधक (पीआर)